

keit überh. Nir. 10, 42. यस्मिन्नेवा मन्मनि संचरत्यपीच्छे RV. 10, 12, 8. युवं विप्रस्य मन्मनामिर्यथः 1, 131, 6. भर्त्ति वा मन्मना संपता गिरः 8. उप प्रागात्सुमन्मे उधापि मन्मे देवानामाशीः mein Sinn war wohl darauf gerichtet 162, 7. 163, 13. तन्नै रास्व भूरि मन्मे 4, 11, 2. प्रणेताग्रे यजमानस्य मन्मे 7, 87, 2. 87, 3. — 2) Ausdruck des Sinnes: das ersonnene Gebet, Gedicht; Wunsch, Bitte Nir. 10, 5. स्तोम, म०, सूक्त RV. 8, 44, 2. ब्रह्म गिर उक्थ्या च मन्मे 6, 38, 4. अग्रे मन्मनि तुभ्यं कं घृतं न जुह्व आसनि 8, 39, 3. तज्जुषस्व इतिर्तुषीषि मन्मे 6, 5, 6. प्र वरुणाय मन्म नु प्रियमर्च 68, 9. 1, 140, 11. मन्मे शंसि 2, 4, 8. 19, 8. 4, 6, 1. 5, 12, 1. प्रापये मन्मे धीतिं भरधम् 7, 13, 1. मन्मनः पूर्व्यस्तुतिः 94, 1. प्रलेन मन्मना 8, 44, 12. 63, 6. 9, 42, 2. पितृणाम् 8, 41, 2. 10, 37, 3. VILAKH. 4, 9. RV. 10, 4, 1. 36, 5. 66, 2. 8, 44, 26. 63, 1. तत्सु नो मन्मे साधय 6, 56, 4. — Vgl. डर्मन्मन्, विप्र०, सत्य०, सु०.

मन्मन m. 1) vertrauliches Flüstern, = गद्गद्वनि TRIK. 1, 1, 118. = दंपत्योर्बल्यितं मन्मन् Hār. 20. सुरते कर्णमूले तु निजदेशीयभाषया । दंपत्याः कथनं यत्तु मन्मनं तं विडुर्बुधाः || Cit. beim Schol. zu Kāvya. 3, 11. = कर्णमूले गुप्तालापः ebend. — 2) Geschlechtsliebe, der Liebesgott H. ८. 78 (मनमन gegen das Metrum). Schol. zu Kāvya. 3, 11.

मन्मय (von मन्) adj. aus mir hervorgegangen, — hervorgehend BHAG. 4, 10. HARIV. 9776. LINGA-P. bei MUIR, ST. IV, 323, 2 v. u.

मन्मशैस् (von मन्मन्) adv. jeder nach seinem Sinne: यदिन्द्र मन्मशस्त्वा नाना क्वत्त ऊतये RV. 8, 13, 12.

मन्मसाधन (मन्मन् + सा०) adj. Sinn — oder Wunsch erfüllend RV. 1, 96, 6. यो वा क्विर्हेता यजति मन्मसाधनः der eurem Sinne gerecht wird 131, 7.

मन्य (von मन्) adj. am Ende eines comp. sich haltend für; gehalten werdend für, erscheinend wie, geltend für P. 3, 2, 83. VOP. 26, 52. Anfügung P. 6, 3, 68. Sch. — Vgl. कालिमन्या, गो०, ज्ञ०, त्वन्न्य (P. 6, 3, 68. Sch.), दिवा०, दोषा०, धन्य०, नर०, पण्डित०, पुनर्मन्य, भुव०, लेखाभु०, अग्रि०, अग्र्य०, श्रीमन्मन्य, सुभग०, सुस्थित०, सुस्थिर०, स्त्रिय०, स्त्री०.

मन्यती (partic. praes. f. von मन्) f. N. einer Tochter des Agni Manju MBH. 3, 14151.

मन्या (मन्या P. 3, 3, 99). f. VOP. 26, 186. Nacken, Nackenmuskel, Musculus occularis s. trapezius; pl. AV. 6, 23, 1. VS. 23, 2. du. H. 587. SUÇR. 1, 288, 14. 346, 14. मन्युर्मन्ये ममास्तम्भीन् BHATT. 6, 30. sg. AK. 2, 6, 3, 16. HALĀJ. 2, 361. SUÇR. 2, 377, 3. ० गत 34, 13. 314, 20. ० ग्रह 1, 236, 2. ÇĀRṅG. SĀM. 2, 9, 4. SUÇR. 2, 207, 12. H. 1108. विवृद्धमन्युप्रतिपूर्णमन्याः adj. BHATT. 3, 28.

मन्याका f. = मन्या ÇABDAR. im ÇKDR.

मन्यास्तम्भ (म० + स्त०) m. Steifheit des Nackens SUÇR. 1, 33, 3. 136, 13. 235, 13. 2, 42, 20. 268, 18. 313, 17. ÇĀRṅG. SĀM. 1, 7, 70.

मन्यु (von मन्) URĀDIS. 3, 20. m. f. SIDDH. K. 231, a, 4 v. u. m. 1) Muth (als Seelenstimmung); Sinn NAIGH. 2, 13. स मन्यु मर्त्येष्वा चिकेत RV. 7, 61, 1. 8, 67, 6. ये तुवाश्रोतो देव साधवः । अरे वरुन्ति मन्यवे deinem Sinne gemäß 6, 16, 43. इषा मन्दस्वाडु ते ऽरे वरोप मन्यवे 8, 71, 8. 73, 4. ज्ञाक्षुषाणेन मन्युना 1, 101, 2. TS. 2, 1, 2, 2. 2, 3, 3. Muth des Rosses VS. 39, 8. पशूनाम् TBA. 1, 7, 3, 4. ÇAT. Br. 12, 7, 2, 8. — 2) heftiger Muth, Eifer; Unmuth, Zorn, Grimm, Wuth; = क्रुध्, कोप AK. 3, 4, 34, 155.

H. 209. an. 2, 376. MED. j. 44. HALĀJ. 5, 60. मन्यु रिरिततः RV. 7, 36, 1. 60, 11. 86, 6. pl. 86, 22. स यत्त इन्द्र मन्यवः स चक्राणि दधन्विरे ardores 4, 31, 6. रेजदूर्मिर्भयसा स्वस्य मन्योः 4, 7, 2. 10. बाधसे ज्ञानान्वेषभवे (०भ इव) मन्युना 6, 46, 4. बभञ्ज मन्युमोर्जसा 8, 4, 5. 6, 4. 13. 10, 15. 48, 8. पौरुषेय 60, 2. उपस्य चिन्मन्यवे ना नमस्ते dem Unmuth des Starken 10, 34, 8. नि वो नु मन्युर्विशतामरातिः 14. AV. 1, 10, 2. अनुकूप तपसा मन्युना चोत दूरादव भिन्दत्येनम् 5, 18, 9. VS. 16, 1. 18, 4. 20, 6. TS. 1, 3, 2, 2. मन्युस्तमन्युमुच्छति (so mit der ed. Calc. zu lesen) das ist: Wuth tritt der Wuth entgegen (Nothhilfe) M. 8, 351. तो मन्युराविशत् MBH. 1, 7727. 3, 2300. प्रदीप्तेव च मन्युना 2374. प्रज्ज्वालेव मन्युना 2397. ० परित 2612. R. 1, 9, 69. काममन्युभिः 2, 22, 23. शक्वो ऽस्य मन्युर्भवता विनेतुम् RAGH. 2, 49. ० प्रतिक्रिया KATHĀS. 42, 73. Spr. 2841. UTTARĀRĀMĀ. 65, 4. मन्युमस्या स्वभार्याया मा कथ्याः KATHĀS. 66, 57. सद्धर्मचारिणं प्रति न त्वया मन्युः कार्यः ÇĀK. 111, 13. PAÑĀT. 59, 16. An Ende eines adj. comp.: वीतमन्युर्माभि KATHOP. 1, 10. आगत० M. 2, 152. बाहुप्रतिष्ठ म्भिवृद्ध० RAGH. 2, 32. दृढ० 11, 46. स० (f.) R. 1, 37, 22. मन्यु = अर्क-कार ÇABDAR. im ÇKDR. — 3) Herzeleid, Kummer, Betrübniss; = शोक AK. 1, 1, 2, 25. MED. = दैन्य AK. 3, 4, 34, 155. H. an. MED. HALĀJ. मन्युनाविष्टा MBH. 5, 5996. मन्यु होन्द्र धाच्याः VARĀH. BH. S. 32, 6. KATHĀS. 6, 131. UTTARĀRĀMĀ. 73, 14. ० वेग BHATT. 3, 49. वीत० adj. MBH. 1, 6114. स० 3, 15670. — 4) Opfer H. 820. H. an. MED. HALĀJ. Diese Bedeutung beruht auf einer falschen Deutung von शतमन्यु (vgl. शतक्रतु). — 5) der Unmuth, Zorn, Grimm personificirt NAIGH. 5, 4. Nir. 10, 29. RV. 10, 83. 84. ÇAT. Br. 9, 1, 2, 6. 14. TAITT. ĀR. 10, 31. GORU. 4, 4, 17. zugleich Verfasser zweier Lieder des RV., Sohn des Tapas (Vasishtha) RV. ANUKR. Ind. St. 3, 228, a. = Çiva BUĀG. P. 3, 14, 34. 4, 5, 5. N. eines Rudra 3, 12, 12. als Agni: यः प्रशात्तेषु भूतेषु मन्युर्भवति पावकः MBH. 3, 14151; vgl. भानुमत् 2. — 6) N. pr. eines Fürsten (भवन्मन्यु VP.), eines Sohnes des Vitatha, BUĀG. P. 9, 21, 1. — Vgl. अनुत्त०, अग्रि०, अहि०, उप०, तुवि०, नि०, निर्मन्यु, परि०, प्र०, प्राचा०, भवन्मन्यु, शत०, स०.

मन्युदेव (म० + देव) m. N. pr. eines Mannes Verz. d. Oxf. H. 280, 6, 7.

मन्युर्मत् (von मन्यु) 1) adj. muthig, eifrig; grimmig, zornig, aufgebracht: Indra RV. 4, 30, 7. TS. 2, 1, 2, 1. 2, 3, 1. KĪṬH. 10, 8. 13, 4. त-दामस्तु सहेते मन्युमच्छ्वः RV. 7, 104, 3. AV. 7, 22, 2. MBH. 1, 8027. यन्मो प्रति स० मान् R. GORU. 2, 81, 15. 4, 9, 21. परम० MBH. 3, 2301. auffahrend, heftig 3, 4495. — 2) Bez. des als Grimm, Zorn erscheinenden Agni: यः प्रशात्तेषु भूतेषु मन्युर्भवति दारुणः । अग्निः स मन्युमात्राम द्वितीयो भानुतः सुतः || MBH. 3, 14187; vgl. u. भानु am Ende.

मन्युमय (wie eben) adj. f. ई aus Zorn gebildet, — bestehend, den Zorn darstellend MBH. 1, 108 = 3, 860. BUĀG. P. 4, 17, 28.

मन्युर्मै (म० + मी) adj. (feindlichen) Muth oder Grimm vernichtend: स मन्युर्मैः समदेनस्य कर्तास्माकैर्भिर्भिः सूर्यं सनत् RV. 1, 100, 6. ब्रह्म-द्विषस्तपनो मन्युर्मौरसि 2, 23, 4. im Grimm vernichtend, zornwüthig: इन्द्रो मन्युं मन्युस्यो मिमाय 7, 18, 16.

मन्युर्धमन (म० + ध०) adj. zorndämpfend, besänftigend AV. 6, 43, 1.

मन्युषाविन् (म० + सा०) adj. im Zorn (bösen Muth) Soma bereitend RV. 8, 32, 21.